साधक साक्षी हैं

गुरुदेव चरण स्पर्श,

आपके आशीर्वाद से एक छोटी सी भेंट आपके चरणों में अर्पित कर रहा हूं इसे स्वीकार करें।

गुरुदेव आपकी कृपा से व्यापार अच्छा चल रहा है यह सब आपके आशीर्वाद के फल स्वरूप ही है। 'गुरु पूर्णिमा हरिद्वार' २०१८ में भाग लिया था वहां गुरु ऋण के बारे में बताया था उसके बाद मैंने संकल्प लिया कि प्रत्येक माह अपनी अर्जित आय में से एक छोटा सा भाग गुरु चरणों में अर्पित करूंगा और उसके बाद मैंने जो गुरु कृपा अनुभव की उसे शब्दों में व्यक्त ही नहीं किया जा सकता।

मेरी रांची में अनाज की एक दुकान है लेकिन पहले व्यापार की हालत ठीक नहीं थे, बड़ा परिवार और आय के सीमित संसाधन होने के कारण हमेशा आर्थिक तंगी बनी रहती थी, किन्तु जब से मैंने आय का एक छोटा सा भाग निकालना प्रारम्भ किया उसके बाद व्यापार में और जीवन स्तर में विशेष सुधार होते ही जा रहा है। अब तो कोई भी समस्या होती है मैं गुरु पूजन के समय आपके चित्र के समक्ष ध्यान लगाकर अपनी समस्या आपके श्रीचरणों में रख देता हूं।

गुरुदेव आप तो मेरी हर समस्या को शीघ्रता से समाप्त कर ही देते है। गुरुदेव यह पत्र विशेष रूप से आपको इस लिये लिख रहा हूं कि आपने मेरे जीवन की एक बहुत बड़ी समस्या की मेरे पुत्र का क्या होगा? आपने उसे प्रेरणा देकर हल कर दिया है।

गुरुदेव आपकी प्रेरणा से मेरे बेटे विक्की ने दवाई की दुकान लगा दी है और दुकान भी आपकी कृपा से ठीक चल रही है। आप इसी प्रकार मेरे परिवार पर अपनी कृपा दृष्टि बनायें रखें।

आपके श्रीचरणों में यह छोटी से भेंट रख रहा हूं, सब कुछ आपका ही दिया हुआ है और वैसे भी आपका आशीर्वाद मुझे कई गुना प्राप्त होता है।

आपका शिष्य
रामनाथ मण्डल
रांची (झारखण्ड)

साधक साक्षी हैं

प्रणाम गुरुदेव, आपके श्रीचरणों में मेरा नमन!,

मैं आपकी एक छोटी सी शिष्या आपके श्री चरणों में कोटी-कोटी वन्दन करती हूं। गुरुदेव मैं कालाहाण्डी उड़ीसा से आपकी शिष्या शुचिता घोष आपके श्रीचरणों में एक छोटी सी तुच्छ भेंट अर्पित कर रही हूं।

ये मेरे मन के भाव स्वरूप है, जिन्हें मैं आपके श्रीचरणों में अर्पित कर रही हूं।

गुरुदेव आप प्रत्येक शिष्य के मन के भाव दूर रहकर भी पढ़ लेते है और भौतिक रूप से अपने प्रत्येक शिष्य का पग-पग पर ख्याल रखते है इस बात को मैंने स्वयं अनुभव किया है, आप हम शिष्यों के दिलों में रहते है।

मानसिक रूप से आपकी चेतना हर शिष्य के साथ ही रहती है, बस शिष्य का मानसिक जुड़ाव आपके साथ होना चाहिए। गुरुदेव मेरे घुटनों में समस्या के कारण मैं बैठकर साधना मंत्र जप तो नहीं कर पाती, किन्तु अपने प्रत्येक दिन का प्रारम्भ गुरु पादुका स्पर्श से करती हूं और आपके चित्र के सामने ध्यान लगाकर अपनी मन की बात कह देती हूं।

गुरुदेव समय-समय पर आपके प्रवचनों को यूट्यूब पर सुनकर स्वयं को गुरुवाणी से आत्मसात कर लेती हूं, अपना प्रत्येक कार्य गुरु स्मरण से करना मेरे जीवन का नियम बन गया है।

मैंने अनेक बार अनुभव किया कि जब हम आपसे प्राणगत जुड़कर आपके चित्र के समक्ष बैठकर अपनी कामना व्यक्त करते है, तो आप हमारे मनोरथों को अवश्य पूर्ण करते है।

चाहे कोरोना काल में परिवार पर आया संकट, या बड़ी बहन की शादी की समस्या हो, या सुमित के केरियर पूरे परिवार की आशंका हो हर बार आपने अपनी कृपा से संकटों को दूर किया है।

गुरुदेव मैंने तो स्वयं अपने आपको ही आपको समर्पित कर दिया है, तो अब आपको ही मेरा जीवन संवारना है, तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा...

आपकी शिष्या
शुचिता घोष
कालाहाण्डी (उड़ीसा)